जिलावार ऋण वितरण 2012-13

(राशि हजारों में)

क्र.सं.	जिले का नाम	लक्ष्य	प्राप्ति	प्राप्ति %
1.	देहरादून	322317	1152613	357.60
2.	उत्तरकाशी	84000	112160	133.52
3.	टिहरी	283500	398152	140.44
4.	हरिद्वार	76800	203819	265.39
	योग	**766617**	**1866744**	**243.50**
5.	पौड़ी	1245000	679430	54.57
6.	चमोली	222300	182212	81.97
7.	रूद्रप्रयाग	146933	137592	93.64
	योग	**1614233**	**999234**	**61.90**
8.	पिथौरागढ़	512518	782913	152.76
9.	चम्पावत	170220	177843	104.48
	योग	**682738**	**960756**	**140.72**
10.	अल्मोड़ा	341000	378980	111.14
11.	बागेश्वर	259000	196886	76.02
12.	नैनीताल	1107400	934154	84.36
13.	ऊधम सिंह नगर	1734300	994222	57.33
	योग	**3441700**	**2504242**	**72.76**
	महायोग	**6505288**	**6330976**	**97.32**

12. वसूली :

बैंक का वसूली प्रतिशत (पूर्ववर्ती दोनों बैंकों का समेकित) दिनांक 30.06.2012 की तिथि में 81.83 प्रतिशत रहा है। दिनांक 30.06.12 को विस्तृत वसूली विवरण निम्नवत है :-

(राशि हजारों में)

विवरण	कुल मांग	वसूली	अतिदेय	वसूली%	अतिदेय		
					1 वर्ष तक	1 से 3 वर्ष तक	3 वर्ष से अधिक
1. प्रतिवादित बिल खातों सहित							
कृषि क्षेत्र	1906726	1451183	455543	76.11	312332	128159	15052
गैर कृषि क्षेत्र	3103573	2648862	454711	85.35	343837	98669	12205
योग	**5010299**	**4100045**	**910254**	**81.83**	**656169**	**226828**	**27257**
2. जिसमें से एस0जी0एस0वाई0	154499	105786	48713	68.47	36293	10816	1604

13. राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना :

भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार, राज्य में यह योजना लागू है तथा पात्र फसलों हेतु बीमा आवरण प्रदान किया जा रहा है।

14. ऋणों का अपलेखन

जिन प्रकरणों में वसूली के समस्त प्रयास व्यर्थ हो गये हैं, ऐसे ऋणों का अपलेखन नियमित रूप से किया जा रहा है। ऋणों के अपलेखन का विवरण नीचे दिया जा रहा है।

(राशि हजारों में)

वर्ष	खाते	अपलिखित राशि	कल्पित ब्याज	कुल राशि
2012-2013	27	608	143	751
योग	**27**	**608**	**143**	**751**

15. जोखिम निधि

बैंक द्वारा जोखिम निधि नहीं बनाई गई है।

16. अर्जित आय

यह विशेष उल्लेख करने योग्य है कि वर्षान्तर्गत समामेलन के पश्चात कुल आय में 78.49 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल आय में अग्रिमों से आय का प्रमुख योगदान रहा है जो कुल आय का 52.14 प्रतिशत है। आय का विवरण निम्नवत है :

(राशि हजारों में)

विवरण	01.11.12	31.03.13
अग्रिमों पर अर्जित ब्याज	679677	1187192
निवेशों पर अर्जित ब्याज	376901	673224
चालू खाता/सावधि जमा पर अर्जित ब्याज	189281	337135
विनिमय/कमीशन एवं अन्य आय	29879	79471
रिस्क फण्ड/प्रावधान से अन्तरित	–	–
कुल आय	**1275738**	**2277022**

17. उपगत व्यय

स्टाफ की प्रोन्नति तथा नई भर्ती एवं जमाओं की ब्याज दरों एवं उनके स्तर में वृद्धि से भी खर्चों में बढ़ोत्तरी हुई है। व्ययों का तुलनात्मक विवरण नीचे दिया गया है :

(राशि हजारों में)

विवरण	01.11.12	31.03.13
जमाओं पर प्रदत्त ब्याज	724010	1280840
उधार पर प्रदत्त ब्याज	42365	81244
वेतन एवं भत्ते	228040	394342
अन्य व्यय	109271	241340
अन्य प्रावधान	21599	20386
योग	**1125285**	**2018152**

18. वित्तीय अनुपात :

महत्वपूर्ण वित्तीय अनुपात नीचे दिए गये हैं:- (राशि हजारों में)

	विवरण	31.03.12	01.11.12	31.03.13
	औसत कार्यशील पूंजी	**20771639**	**24382801**	**24775491**
1.	वित्तीय प्राप्ति	8.57	8.74	8.87
2.	वित्तीय लागत	5.06	5.37	5.50
3.	वित्तीय मार्जिन	3.51	3.37	3.37
4.	परिचालन लागत	2.74	2.37	2.57
5.	विविध आय	0.42	0.21	0.32
6.	परिचालन लाभ	1.20	1.21	1.13
7.	जोखिम लागत	0.28	0.15	0.08
8.	निवल मार्जिन	0.92	1.05	1.04
9.	कर हेतु प्रावधान	0.24	0.32	0.31
10.	कर उपरांत मार्जिन	0.68	0.74	0.74

जमाओं की ब्याज दरों में वृद्धि के कारण निधियों की लागत 5.50% रही है। बैंक द्वारा गैर ब्याज आय में वृद्धि हेतु किये गये उपायों यथा ग्रामीण पे आर्डर के माध्यम से सममूल्य पर चैक भुगतान सुविधा, नेशनल इंश्योरेन्स कम्पनी के सामान्य बीमा उत्पादों व एस0बी0आई0 लाईफ के उत्पाद के विपणन आदि से विविध आय में 165.98% की वृद्धि हुई।

19. मूल्य अन्तरण विधि :

शाखा स्तर पर लाभ/हानि अर्जन की सही गणना करने के लिए बैंक ने अपनी मूल्य अन्तरण विधि को अपनाया है। बैंक की मूल्य अंतरण कार्यविधि के कुछ महत्वपूर्ण अवयवों का विवरण निम्नवत् है :-

बचत खाता	जमाकर्त्ताओं को अदा किये गये ब्याज का 230%
चालू खाता	मासिक औसत शेष का 6%
सावधि जमा खाता	जमाकर्ताओं को अदा किये गये ब्याज का 108%
ऋण एवं अग्रिम	ऋण खातों पर प्राप्त ब्याज का 50% शाखाओं से लिया जाता है।
रोकड़ शेष	औसत रोकड़ शेष का 10% शाखाओं से लिया जाता है।

20. सहमति ज्ञापन :

वर्ष 2012-13 के लिये बैंक द्वारा प्रायोजक बैंक के साथ हस्ताक्षरित सहमति ज्ञापन के लक्ष्यों के सापेक्ष महत्वपूर्ण सूचकांकों के विपरीत 31.03.2013 को की गई प्राप्तियां निम्नवत हैं :- (राशि हजारों में)

	विवरण	लक्ष्य	प्राप्ति	प्राप्ति %
1.	(अ) अंश पूंजी	40000	40000	100
	(ब) अंश पूंजी निक्षेप	381500	381486	99.99
	(स) प्रारक्षित निधि	1331600	1333980	100.18

2.	जमा राशियाँ	21740000	22277920	102.47
	जमा वृद्धि %	16%	19%	118.75%
3.	उधार अवशेष (राशि)	1202700	1533186	127.48
4.	ऋण अवशेष (राशि)	12150000	12427791	102.29
	वृद्धि %	20%	23%	115%
5.	ऋण वितरण (राशि)	5100000	6330975	124.13
6.	ऋण जमा अनुपात	56.00	55.79	99.63
7.	वसूली % 30.06.2012	82%	81.83	99.79
8.	सांविधिक चल निधि निवेश (राशि)	6500000	4796574	73.79
9.	गैर सांविधिक चल निधि निवेश	500000	536400	107.28
10.	प्रति शाखा व्यवसाय (राशि)	140000	146438	104.60
11.	प्रति कर्मी व्यवसाय (राशि)*	38500	41664	108.22
12.	वर्ष के लिए लाभ (शुद्ध)			
	i) दिनांक 1.11.2012	–	105385	–
	ii) दिनांक 31.03.2013	–	77064	–
	कुल लाभ	**175800**	**182449**	**103.78**
13.	औसत प्राप्ति %	8.89	8.87	99.78
14.	औसत लागत %	5.45	5.50	100.92
15.	परिचालन लागत %	2.49	2.56	102.81
16.	शाखाओं की सं.	242	237	97.93
17.	कर्मचारियों की सं. (प्रायोजक बैंक स्टाफ सहित)	880	833	94.66
18.	i) सकल अलाभकारी आस्तियों का %	4.00	6.61	165.25
	ii) निवल अलाभकारी आस्तियों का %	2.39	4.58	191.63
19.	स्वयं सहायता समूह			
	i) गठन (सं.)	–	1592	–
	ii) सम्बद्धीकरण (सं.)	700	885	126.43
20.	किसान क्रेडिट कार्ड (खातों की संख्या)	49026	44543	90.86
21.	हानिप्रद शाखायें (सं.)	–	31	–

* प्रायोजक/अन्य स्टाफ सहित

21. अन्य विवरण

(क) स्वयं सहायता समूह

बैंक द्वारा स्वयं सहायता समूहों के गठन हेतु सघन प्रयास किये गये हैं। योजना के प्रारम्भ से अब तक कुल 15576 समूह गठित किये जा चुके हैं तथा इन समूहों में से 7643 समूहों को रू0 6254.44 लाख की ऋण सीमायें स्वीकृत कर बैंक से सम्बद्ध किया गया है। वर्ष 2012-13 के दौरान 885 समूहों को रू0 1281.58 लाख की ऋण सीमायें स्वीकृत की गई हैं जिसमें से 570 समूहों (379 समूहों को रिवॉल्विंग फण्ड तथा 191 समूहों को मुख्य गतिविधि हेतु) एस.जी.एस.वाई. के अन्तर्गत तथा एस.जी.एस.वाई. को छोड़कर 315 अन्य समूहों को बैंक से सम्बद्ध किया गया है।

(ख) किसान क्रेडिट कार्ड

बैंक ने उपलब्ध सीमित सम्भाव्यताओं का पूर्ण दोहन करते हुए किसान क्रेडिट कार्ड वितरण करने हेतु समग्र प्रयास किए हैं। वर्ष 2012-13 के दौरान 8660 किसानों को रू0 7819.91 लाख की ऋण सीमायें स्वीकृत की गई है। तदानुसार बैंक ने अब तक कुल रू0 15214.11 लाख की ऋण सीमा के 75531 के.सी.सी. वितरित किए हैं, जिनमें से 44543 पात्र किसान क्रेडिट कार्ड धारकों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत बीमित किया गया है।

ग) स्वरोजगार क्रेडिट कार्य योजना

''स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना'' के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 में छोटे दस्तकारों, हथकरघा बुनकरों, स्वरोजगारियों तथा अन्य माइक्रो उद्यमियों को किफायती ढंग से पर्याप्त और समय से ऋण सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 2000 निर्धारित भौतिक लक्ष्यों के विपरीत 362 स्वरोजगारियों को रू0 167.04 लाख की ऋण सीमायें वितरित की गयी हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष के दौरान 208 लाभार्थियों को जनरल परपज क्रेडिट कार्ड के अन्तर्गत रू0 52.84 लाख का ऋण वितरण किया गया है।

घ) कृषि ऋण वितरण :

बैंक द्वारा वर्ष 2012-2013 के दौरान कृषि ऋण हेतु निर्धारित वित्तीय लक्ष्य रू0 33900.00 लाख के विपरीत रू0 24022.37 लाख का ऋण वितरण किया गया। दि0 31.03.2013 को कृषि ऋण का स्तर रू0 34727.49 लाख अर्थात सकल ऋणों का 27.94% है। बैंक द्वारा 44262 कृषकों को वर्ष 2012-2013 के दौरान वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी है, जिसमें से 15367 नये कृषक थे। कृषि ऋणों के वितरण व बकाया राशि का विवरण निम्नवत है :-

(राशि हजारों में)

वर्ष	वित्तीय वर्ष में ऋण वितरण	वित्तीय वर्ष के अन्त में बकाया राशि
2012-2013	24,02,277	34,72,749

ङ) नवीन सरलीकृत ऋण सह अनुदान ग्रामीण आवास योजना

नवीन सरलीकृत ऋण सह अनुदान आवास योजना वर्ष 2005 से लागू है। इस योजना के अन्तर्गत रू0 32,000/- तक वार्षिक आय वर्ग वाले आवास विहीन परिवारों को आवास हेतु रू0 40,000/-ऋण एवं रू0 10,000/- अनुदान दिया जाता है। वर्ष 2012-13 में बैंक ने इस योजना में 165 परिवारों को कुल रू0 79.60 लाख के ऋण स्वीकृत किये हैं।

च) अर्न्तबैंक सहभागिता प्रमाण पत्र

हमारे बैंक द्वारा भारतीय स्टेट बैंक के साथ अर्न्तबैंक सहभागिता प्रमाण पत्र (IBPC) अनुबन्ध किया गया है। हमने 180 दिनों के लिये 1 प्रतिशत ब्याज अन्तर आय की प्राप्ति के साथ रू0 122 करोड़ के मानक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिमों का भारतीय स्टेट बैंक के रू0 122 करोड़ के गैर प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के ऋणों के साथ विनिमय किया है।

22. गैर-पूंजीगत व्यवसाय

क) अपनी शाखाओं पर ग्राहकों के चैक/बिलों का संग्रहण एवं ड्राफ्टों का निर्गम बैंक द्वारा प्रायोजक बैंक की सम्बद्ध शाखाओं के माध्यम से करवाया जाता है तथा इससे गैर ब्याज आय अर्जित की जाती है। इसके अतिरिक्त प्रायोजक बैंक के मल्टी सिटी चैकों के माध्यम से ग्राहकों के लिये भारतवर्ष में कही भी धनान्तरण की सुविधा ''ग्रामीण पे आर्डर'' तथा इसके अतिरिक्त एन0ई0एफ0टी0 के माध्यम से भी लागू की गयी है जिससे बैक द्वारा गैर ब्याज आय में निरन्तर वृद्धि दर्ज की गयी है। बैंक द्वारा गारन्टी व्यवसाय भी किया जा रहा है। नेशनल इन्श्योरेन्स कम्पनी लि0 के सामान्य बीमा उत्पादों एवं एसबीआई लाइफ के विभिन्न उत्पाद की बिक्री के माध्यम से भी गैर ब्याज आय में निरन्तर वृद्धि दर्ज की गयी।

ख) पैन कार्ड

बैंक में ग्राहकों हेतु आयकर विभाग से पैन कार्ड जारी करने हेतु आवेदन पत्र भी स्वीकृत किये जाते है। इस हेतु यूटीआई टैक्नोलॉजी सर्विसेज प्रा0 लि0 से सहमति ज्ञापन निष्पादित किया गया है।

ग) वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर

बैंक द्वारा अपनी चुनिंदा शाखाओं के माध्यम से वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर की सुविधा भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही है।

23. वित्तीय समावेशन

(i) बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। इस वर्ष के अन्त तक बैंक द्वारा कुल 118 व्यवसाय प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गयी। आई0 सी0 टी0 आधारित सोल्यूशन हेतु मै0 सी एज टेक्नोलॉजीस लि0 एवं मै0 सोर्स ट्रेस सिस्टम्स इण्डिया प्रा0 लि के सहयोग से तकनीकी बैंकिंग सुविधा दूर दराज के क्षेत्रों में निवासित बैंकिंग रहित व्यक्तियों को प्रदान की जा रही है। नाबार्ड द्वारा फाइनेंशियल इन्क्लूशन टैक्नोलॉजी फण्ड के माध्यम से आर्थिक सहयोग इस योजना के अन्तर्गत प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त नाबार्ड के आर्थिक सहयोग से वित्तीय साक्षरता शिविरों का आयोजन कर बैंक में खाता खोलने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया गया है। भारत सरकार की वित्तीय समावेशन योजना के अन्तर्गत बैंक को व्यवसाय प्रतिनिधि/शाखा के माध्यम से वर्ष 2015-16 तक बैंकिंग सुविधायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 644 वित्तीय समावेशन क्लस्टर आधारित गाँव आबंटित किये गये हैं।

(ii) वित्तीय जागरूकता केन्द्र की स्थापना : वित्तीय जागरूकता केन्द्र की स्थापना हेतु भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुरूप नाबार्ड द्वारा प्राप्त आर्थिक सहयोग से बैंक द्वारा पाँच वित्तीय जागरूकता केन्द्र यथा अल्मोड़ा, टिहरी, हरिद्वार, पिथौरागढ़, बागेश्वर में खोले गये।

(iii) अल्ट्रा स्मॉल शाखा : बैंक द्वारा वित्तीय समावेशन हेतु 07 अल्ट्रा स्मॉल ब्रांच खोली गयी जो 2000 से अधिक आबादी वाले क्षेत्र में खोली गयी।

24. तकनीकी उन्नयन

बैंक द्वारा तकनीकी कौशल में उपस्थिति दर्ज कराते हुये एन0 ई0 एफ0 टी0, आर0 टी0 जी0 एस0, एस0 एम0 एस0 एलर्ट, ई-टैक्स एवं इंटरनेट बैंकिंग (नॉन फाइनेन्शियल) सुविधायें ग्राहकों हेतु प्रारम्भ की गई है।

25- क) हानिजनित शाखायें

दि0 31/3/13 को 31शाखाएं हानि दर्शा रही है जिनमें से 25 नयी शाखायें है जो कि प्रारिम्भक हानि दर्शा रही हैं।

ख) ब्याज दर

बैंक द्वारा व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के मध्यनजर जमा व ऋण पर अपनी ब्याज दरें लगभग प्रायोजक बैंक की दरों के समान ही रखी गई हैं।

26. अन्य विवरण

क) प्रशिक्षण :

स्टाफ के प्रशिक्षण आवश्यकताओं/उनके ज्ञानवर्धन व कौशल के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान हमारे द्वारा अपने बैंक अधिकारियों/कर्मचारियों को विभिन्न विषयों पर विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों बर्ड लखनऊ, स्टेट बैंक ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद एवं भारतीय रिजर्व बैंक कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे के अतिरिक्त हमारे बैंक के अपने प्रशिक्षण संस्थान 'यूजीबी ज्ञानार्जन केन्द्र' की स्थापना कर कुल 309 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उक्त प्रशिक्षण के अलावा बैंक के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा प्रति माह बैंक व्यवसाय प्रगति की समीक्षा, एनपीए प्रबंधन, सरफेसी, एसबीआई लाइफ आदि विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। वर्ष 2012-13 के दौरान विभिन्न संस्थानों में कार्मिकों को प्रदत्त प्रशिक्षण का विवरण निम्नवत है :-

क्र.सं.	पद का नाम	भारतीय रिजर्व बैंक कृषि बैंकिंग महाविद्यालय पुणे	स्टेट बैंक ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद	बर्ड लखनऊ	यूजीबी ज्ञानार्जन केन्द्र	अन्य
1.	अधिकारी	02	05	49	99	100
2.	लिपिक वर्ग	-	-	-	54	-
3.	संदेशवाहक	-	-	-	-	-
	योग	**02**	**05**	**49**	**153**	**100**

ख) औद्योगिक सम्बन्ध

कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ बैंक प्रबन्धन के औद्योगिक सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण रहे हैं, जिसकी परिणति बैंक के व्यवसाय की उन्नति एवं वर्षान्त में बैंक द्वारा लाभ अर्जित करने में दृष्टिगोचर हुयी है।

ग) अर्न्तशाखा मिलान

अर्न्तशाखा मिलान अद्यतन है। दि0 31.03.2013 को पूर्ववर्ती उत्तरांचल ग्रामीण बैंक की शाखाओं के अन्तर्गत रू. 115.48 लाख (निवल) की 388 प्रविष्टियां समायोजन हेतु लम्बित हैं जिनमें से कोई भी प्रविष्टि 03 माह से अधिक समय से लम्बित नहीं है।

घ) निधि प्रबन्धन :

वर्ष के दौरान जमा राशियों में निरन्तर वृद्धि से बैंक के संसाधनों में सुधार हुआ है। उपलब्ध निवेश अवसरों पर, निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप समुचित ध्यान दिया गया। नाबार्ड/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित एकल मानदण्डों का कड़ाई से पूर्णरूपेण पालन किया गया।

ङ) लाभप्रदता :

समस्त स्टाफ के संगठित एवं लगनशील प्रयासों, आक्रामक रणनीति व सुनियोजित प्रबन्धन के कारण बैंक द्वारा समामेलन के उपरान्त दिनांक 02-11-2012 से 31-03-2013 तक रू. 770.65 लाख का कर पश्चात् शुद्ध लाभ तथा रू. 1084.19 लाख का कर पूर्व लाभ अर्जित किया गया है। समामेलन से पूर्व दिनांक 01-04-2012 से 01-11-2012 तक पूर्ववर्ती बैंकों द्वारा 1503.80 लाख का सकल लाभ एवं 1053.85 लाख का कर पश्चात लाभ अर्जित किया गया। उल्लेखनीय है कि 02 नवम्बर 2012 से 31 मार्च 2013 की अवधि के दौरान 08 नई शाखायें खोली गई हैं, अतः इन शाखाओं की स्थापना

मद यथा फर्नीचर/फिक्सचर एवं पुरानी शाखाओं के सौन्दर्यीकरण तथा उनके परिसरों के किराये में वृद्वि आदि के कारण बैंक पर व्यय का अतिरिक्त भार पड़ा है। बैंक द्वारा मानक आस्तियों के लिये दिनांक 01.11.2012 के मुकाबले रू0 26.03 लाख अतिरिक्त एवं गैर निष्पादक अस्तियों के लिए रू0 138.16 लाख कम प्रावधान करना पड़ा। अग्रेतर अर्जित लाभ के विरूद्ध दिनांक 01.11.2012 से दिनांक 31.03.2013 के लिये रू. 313.54 लाख का आयकर प्रावधान भी आयकर नियमों के अनुरूप किया गया है। बैंक आगामी वर्षों में बेहतर परिणाम हासिल करने के प्रति आशान्वित है।

च) पूंजी पर्याप्तता अनुपात :

दिनांक 31.03.2013 को बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 14.63% प्रतिशत रहा है जो बैंक की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति का प्रतीक है।

छ) मानव शक्ति नियोजन :

824 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक स्टाफ के अतिरिक्त, प्रायोजक बैंक से, बैंक के अध्यक्ष ज्येष्ठ प्रबन्धन-श्रेणी V, बैंक के दो महाप्रबन्धक ज्येष्ठ प्रबन्धन श्रेणी-IV, एक मुख्य सतर्कता अधिकारी ज्येष्ठ प्रबन्धन श्रेणी IV, एक मुख्य निरीक्षक, मध्य प्रबन्धन, श्रेणी III एवं 4 क्षेत्रीय प्रबन्धक जिनमें से एक ज्येष्ठ प्रबन्धन श्रेणी-IV एवं अन्य तीन अधिकारी मध्य प्रबन्धन श्रेणी-III, प्रतिनियुक्ति पर हैं। वर्ष 2012-13 के दौरान 26 अधिकारी श्रेणी-I तथा 53 कार्यालय सहायक पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण की गई। 31.03.13 में बैंक की मानव शक्ति निम्नवत है :-

क्र.	पद	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	कुल योग	जिसमें से महिला कर्मी
1.	प्रायोजक व अन्य बैंक से प्रतिनियुक्त अधिकारी	3	3	3	-	9	-
2.	उ.ग्रा. बैंक अधिकारी, श्रेणी-III	41	2	1	-	44	-
3.	उ.ग्रा. बैंक अधिकारी, श्रेणी-II	119	35	5	-	159	2
4.	उ.ग्रा. बैंक अधिकारी, श्रेणी-I	163	55	13	23	254	16
5.	उ.ग्रा. बैंक कार्यालय सहायक	177	47	10	20	254	63
6.	उ.ग्रा. बैंक कार्यालय परिचर	90	16	3	4	113	9
	योग	**593**	**158**	**35**	**47**	**833**	**90**

ज) राजभाषा नीति :

राजभाषा नीति का अनुपालन बैंक द्वारा किया जा रहा है और बैंक हिन्दी के व्यापक प्रयोग में पूर्णतया समर्पित है।

झ) निदेशक मण्डल :

भारत सरकार के राजपत्र में निहित निर्देशों का अनुपालन करते हुए, समामेलन के पश्चात् दिनांक 01.11.2012 को नवसृजित उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक के निदेशक मण्डल की दिनांक 31.03.2013 तक 02 बैठकें आयोजित की गई। समामेलन के पश्चात क्रमशः भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, प्रायोजक बैंक-भारतीय स्टेट बैंक तथा उत्तराखण्ड सरकार द्वारा निदेशक मंडल में निदेशकों का नामांकन कर दिया गया है, परन्तु भारत सरकार से दो गैर शासकीय निदेशकों का नामांकन 31.03.2013 तक नहीं हो सका है। इस कारण निदेशक मंडल में दिनांक 31.03.2013 की तिथि में दो पद रिक्त हैं।

आभारोक्ति :

निदेशक मण्डल, भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, भारतीय स्टेट बैंक (प्रायोजक बैंक) व उत्तराखण्ड सरकार का उनके मूल्यवान मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार प्रकट करता है तथा भविष्य में भी बैंक की प्रगति में निरन्तर सहयोग की अपेक्षा करता है। निदेशक मण्डल, भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय मुम्बई के अध्यक्ष, प्रबन्ध निदेशक, उप प्रबन्ध निदेशक मुख्य महाप्रबन्धक (एबीयू), महाप्रबन्धक (एबीयू), उप महाप्रबन्धक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक विभाग), भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली के मुख्य महाप्रबन्धक, महा प्रबन्धक नेटवर्क द्वितीय, उप महाप्रबन्धक (कृषि), सहायक महाप्रबन्धक (एल.बी.,एम.सी., आर.आर.बी.) द्वारा बैंक के कार्य निष्पादन एवं प्रगति में प्रदर्शित गहन रूचि एवं प्रदत्त हार्दिक सहयोग का विशेष उल्लेख करते हुए प्रशंसा करता है।

निदेशक मण्डल, बैंक के सभी ग्राहकों एवं शुभेच्छुओं, का उनके नियमित संरक्षकत्व एवं सहयोग हेतु आभार व्यक्त करने में हर्ष का अनुभव करता है। बैंक खातों को यथा समय अन्तिम रूप प्रदान करने के लिए निदेशक मण्डल, मै0 ए0 के0 कश्यप एण्ड कम्पनी (केन्द्रीय सांविधिक लेखा परीक्षक) सनदी लेखाकार, देहरादून, मै0 सुमित सभरवाल एण्ड एसोसिएट्स, (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, देहरादून, मै. गोयल भनोत एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, देहरादून, मै0 जी0 के0 पटेट एण्ड कम्पनी, (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, देहरादून, (मै0 शर्मा कथूरिया एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, ऋषिकेश, मै. गुप्ता अग्रवाल शारदा एवं जैन (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार रूड़की, मै. प्रवीन के गोयल एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार, देहरादून, मै0 शेखर चन्द्र एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार ऋषिकेश, मै0 कैलाश सुरेश एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार ऋषिकेश, मै0 कुलभूषण गर्ग एसो0 (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार काशीपुर, मै0 अशोक दर्शन एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार रूद्रपुर, मै0 रावत बर्तवाल एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार देहरादून, एवं मै0 प्रमोद बनवारीलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी (शाखा ऑडिटर) सनदी लेखाकार रूद्रपुर, के प्रति आभार व्यक्त करता है। निदेशक मण्डल उत्तराखण्ड शासन का उनके द्वारा प्रदत्त अमूल्य सहयोग हेतु आभार व्यक्त करता है।

निदेशक मण्डल, बैंक के समस्त स्टाफ की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त करता है जिनके परिश्रम एवं समर्पण से बैंक चहुँमुखी प्रगति करने के साथ-साथ समस्त जन का विश्वास जीतने में सफल रहा।

निदेशक मण्डल के लिये एवं उनकी ओर से.....

स्थान : देहरादून

दिनांक : 03.05.2013

यशपाल अरोड़ा
अध्यक्ष

जमा मिश्रण / DEPOSIT MIX
मार्च 2013 / March 2013

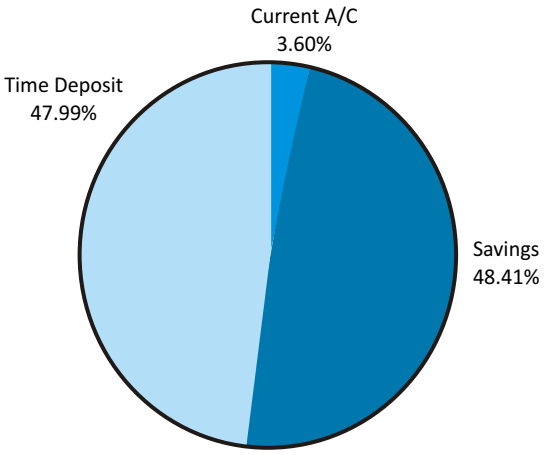

अग्रिमों का क्षेत्रवार प्रतिशत 2013
SECTORWISE % OF ADVANCES
March 2013

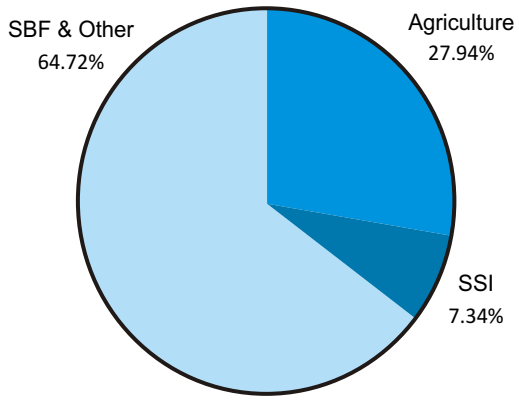

क्षेत्रवार ऋण वितरण प्रतिशत मार्च 2013
SECTORWISE LOAN DISBURSEMENT % OF ADVANCES March 2013

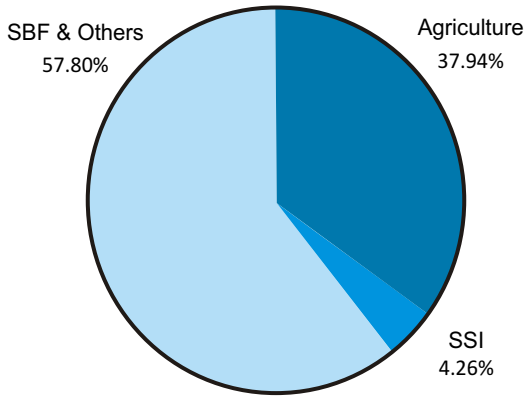

BUSINESS LEVELS
31.03.2013

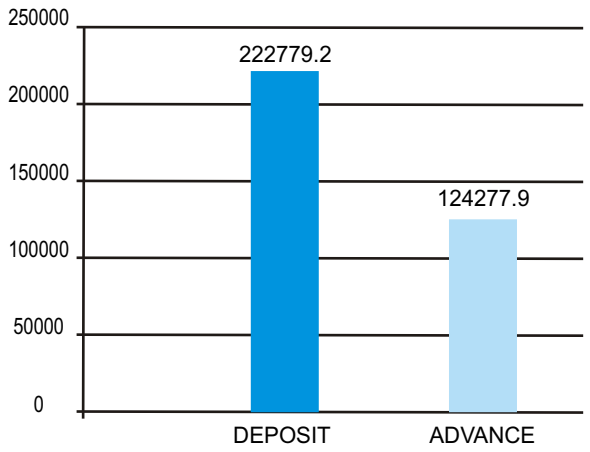

PRODUCTIVITY
31.03.2013

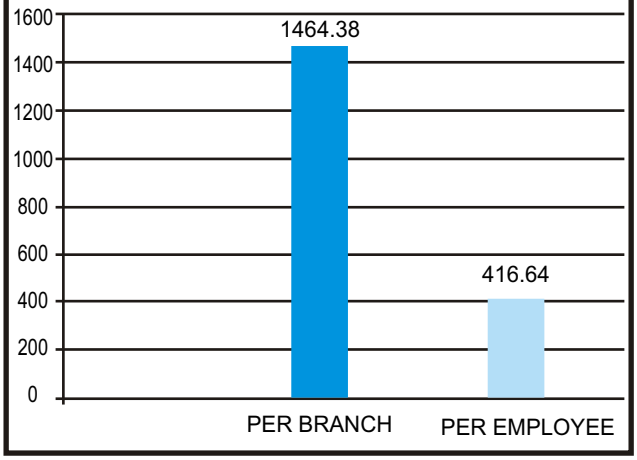

UTTARAKHAND GRAMIN GANK

(SPONSORED BY : STATE BANK OF INDIA)

FIRST ANNUAL REPORT : 2012-13

DIRECTORS' REPORT

AUDITOR'S REPORT

BALANCE SHEET AND

PROFIT & LOSS ACCOUNT FOR THE PERIOD, FROM 02 NOVEMBER 2012 TO 31 MARCH 2013

HEAD OFFICE :

18 New Road, Dehradun, Uttarakhand

Pin : 248001

Phone/Code - 0135-2710660, 2710661 Fax - 0135 - 2710662

Email- ugb_dun@rediffmail.com

website: www.uttarakhandgraminbank.com

UTTARAKHAND GRAMIN BANK

"VISION OF THE BANK"

"To make 'Uttarakhand Gramin Bank' the "Uttam Bank" of Uttarakhand state by providing customer oriented services, maintaining transparency & excellence in banking, development oriented approach with innovative concepts by earning continuous profit"

UTTARAKHAND GRAMIN BANK

HEAD OFFICE : 18 New Road, Dehradun, Uttarakhand

Board of Directors

Chairman :

Shri Yashpal Arora

Directors :

A - Central Govt. Nominees :

1. **Shri Shishir Kumar**
   Assistant General Manager
   Reserve Bank of India
   Rural Planning & Credit Deptt.
   Dehradun, Uttarakhand

2. **Shri Qamar Javed**
   Assistant General Manager
   NABARD; Regional Office, Dehradun

3. **Non Official Director**
   Vacant

4. **Non Official Director**
   Vacant

B - Sponsor Bank Nominees :

1. **Shri Diwakar Bhatt**
   Deputy General Manager
   State Bank of India
   Uttarakhand Zonal Office
   Dehradun, Uttarakhand

2. **Shri Rabindra Sharma**
   Assistant General Manger
   State Bank of India
   Uttarakhand Zonal Office
   Dehradun, Uttarakhand

C - State Govt. Nominees

1. **Shri Indudhar Baurai (IAS)**
   Additional Secretary (Rural Development)
   Govt. of Uttarakhand
   Dehradun, Uttarakhand

2. **Shri L.N. Pant**
   Additional Secretary (Finance)
   Govt. of Uttarakhand
   Dehradun, Uttarakhand

ADMINISTRATIVE SET-UP OF THE BANK

Shri Yaspal Arora
Chairman
(on deputation from Sponsor Bank)

Shri Jagdish Kumar
General Manager
(on deputation from Sponsor Bank)

Shri Suraj Bhan Kaim
General Manager
(on deputation from Sponsor Bank)

Shri B.D.S. Rawat
Chief Vigilance Officer
(on deputation from Sponsor Bank)

Shri T.S. Barwal
Chief Inspector
(on deputation from sponsor Bank)

Shri J.C. Nainwal
Regional Manager
Regional Office-IV, Haldwani
(on Deputaion from Sponsor Bank)

Shri P.S. Jangpangi
Regional Manager
Regional Office-III, Pithoragarh
(on Deputaion from Sponsor Bank)

Shri L.S. Badwal
Regional Manager,
Regional Office-I, Dehradun
(on deputation from Sponsor Bank)

Shri Nari Ram Johari
Regional Manager,
Regional Office-II, Pauri
(on deputation from Sponsor Bank)

DEPARTMENT AND OFFICER IN HEAD OFFICE

- **Shri Mahipal Singh Dasila**
  (Sr. Manager - Board & Secretariat)
- **Shri Ramakant Maithani**
  (Sr. Manager - IT)
- **Shri Pravesh Nautiyal**
  (Sr. Manager - Accounts)
- **Shri D.S. Bisht**
  (Manager - Recovery)
- **Miss Madhu Maikhuri**
  (Manager - Planning & Dev.)
- **Shri Sanjay Kumar Pasbola**
  (Manager - Advances)
- **Shri Parashar Dutt Joshi**
  (Manager - HR)
- **Shri L.P. Dandriyal**
  (Concurrent Auditor)
- **Shri Anil Tripathi**
  (Inspector)
- **Shri Ravi Bhardwaj**
  (Inspector)
- **Shri Anil Uniyal**
  (Inspector)
- **Shri Girish Chandra Dabral**
  (Inspector)
- **Shri K.S. Rawat**
  (Inspector)
- **Shri Devesh Joshi**
  (Inspector)

BACKGROUND OF THE BANK

Uttarakhand, formerly Uttaranchal, is a state in the northernpart of India. It is often referred to as the "Land of the Gods" due to the many holy Hindu temples and pilgrimage centres found throughout the state. Uttarakhand is mainly known for its natural beauty of the Himalayas, the Bhabhar and the Terai. On 09 November 2000, this 27th state of the Republic of India was carved out of the Himalayan and adjoining northwestern districts of Uttar Pradesh. It borders the Tibet on the north; the Mahakali Zone of the Far-Western Region, Nepal on the east; and the Indian states of Uttar Pradesh to the south and Himachal Pradesh to the northwest. The state is divided into two divisions, Garhwal and Kumaon, with a total of 13 districts. The provisional capital of Uttarakhand is Dehradun, the largest city in the region, which is a railhead. The high court of the state is in Nainital. Archaeological evidence support the existence of humans in the region since prehistoric times. The natives of the state are generally called either Garhwali of Kumaoni depending on their place of origin.

Garhwali and Kumaoni are the two main regional languages, whereas Hindi is the most widely spoken language. Uttarakhand is the only state in India with Sanskrit as one of its official languages. Two of the most important rvers in Hinduism originate in the region, the Ganga at Gangotri and the Yamuna at Yamunotri. These two along with Badrinath and Kedarnath form the Chota Char Dham, a holy pilgrimage for the Hindus.

The dances of the region are connected to life and human existence and exhibit myriad human emotions. Music is an integral part of the Uttarakhand culture. Popular types of folk songs include mangals, basanti, khuded and chhopati. These folk songs are played on instruments including dhol, damoun, turri, ransingha, dholki, daur, thali, bhankora, and masakbhaja. Music is also used as a medium through which the gods are invoked. Jaagar is a form of ghost worship in which the singer, or jagariya, sings a ballad of the gods, with allusions to great epics, like Mahabharat and Ramayana, that describe the adventures and exploits of the god being invoked.

Coarse grain with high fibre content is very common in Uttarakhand due to the harsh terrain. Other food items which are famous are madua (Buck wheat) in the interior regions of Kumaun. Basmati rice, wheat, soyabeans, groundnuts, coarse cereals, pulses, and oil seeds are the most widely grown crops. Fruits like apples, oranges, pears, peaches, litchis and plums are widely grown and important to the large food processing industry. Agricultural export zones have been set up in the state for leechi, horticulture, herbs, medicinal plants, and basmati rice.

Other key industries include tourism and hydropower, and there is prospective development in IT, ITES, biotechnology, pharmaceuticals and automobile industries. During 2005-2006, the state successfully developed three Integrated Industrial Estates (IIEs) at Haridwar, Pantnagar, and Sitarganj; Pharma City at Salequi; Information Technology Park at Sahastradhara (Dehradun); and a growth centre at Siggadi (Kotdwar). Also in 2006, 20 industrial sectors in public private partnership mode were developed in the state.

Uttarakhand is home to rare species of plants and animals, many of which are protected by sanctuaries and reserves.

Uttarakhand include the Jim Corbett national Park (the oldest national park of India) at Ramnagar in Nainital District, and Valley of Flowers National Park and Nanda Devi number of plant species in the valley are internationally threatened, including several that have not been recorded from elsewhere in Uttarakhand. Rajaji National Park in Haridwar District and Govind Pashu Vihar National Park and Sanctuary and Gangotri National Park in Uttarkashi District are some other protected areas in the state.

UTTARAKHAND GRAMIN BANK

Established : 1 November 2012

Area of operation : Dehradun, Haridwar, Tehri, Uttarakashi, Pauri, Chamoli, Rudraprayag, Pithoragarh, Champawat, Nainital, Almora, Bageshwar & Udham Singh Nagar

PERFORMANCE OF THE BANK : AT A GLANCE

S.N.	Particulars	01.11.2012	31.03.2013
I	**KEY PERFORMANCE INDICATORS**		
1	No. of Districts in Service area	13	13
2	No. of Branches		
	a) Rural	187	193
	b) Semi-Urban	32	34
	c) Urban	10	10
	d) Metropolitan	-	-
3	Total Staff (Excl. Sp. Bank Staff)	860	824
	Out of Which, Officers	467	457
4	Deposits	20455151	22277920
	Growth%	9.13*	8.91**
5	Borrowings	1579786	1533186
	Growth%	31.09	-2.95
6	Gross Loans & Advances O/S	1160464	12427791
	Growth%	9.30	12.36
	Of 6 above, Loans to priority Sector	8992303	10122078
	Of a above, Loans to SC/ST	1122862	1487056
	Of 6 above, Loans to SF/MF/AL	2447084	2773678
	Of 6 above, Loans to Minorities	430102	436025
7	C.D. Ratio	54.07	55.79
8	Investment Outstanding (excluding TDRs)	5167873	5333032
	Growth%	1.84	3.20
	i. SLR investment	4704540	4796574
	ii. Non SLR Investments (Excluding TDRs)	463333	536458
	CA balances with Bank	200347	382111
	TDR balances with Bank	6772739	7056253
II	**AVERAGE**		
9	Average Deposits	19735494	19844972
	Growth%	19.08	0.55
10	Average Borrowings	1435399	1429566
	Growth%	52.18	-0.41
11	Average Loans & Advances o/s	10793614	10940453
	Growth%	16.57	1.36

*Growth % for the Period 01-04-2012 to 01-11-2012 (7 Months)

** Growth % the Period 02-11-2012 to 31-03-2013 (5 Months)

12	Average Investment (excl. TDRs)	5199456	5113524
	Growth%	3.16	-1.65
	Avreage SLR investment	4723467	4644159
	Average Non SLR investment (Excl. TDRs)	475989	469365
	Average Investments as % to Average deposit	26.35	25.77
13	Average Working Funds	24382801	24775491
III	**LOANS DISBURSED :**		
14	Total Loans Issued during the year	3113876	6330975
	of 14 above, Loans to Priority sector	2420624	4848523
	of 14 above, Loans to Non-Target Group	693252	1482452
	of 14 above Loans to SC/ST	193068	289039
	of 14 above Loans to SF/MF/Agriculture labourers	1019211	1957377
IV	**PRODUCTIVITY :**		
15	Per Branch	137623	146438
16	Per Employee	*36183	*41664
V	**RECOVERY PERFORMANCE**		
	Total (as on 30 June 2012)		
	Demand	5010299	5010299
	Recovery	4100045	4100045
	Overdues	910254	910254
	Recovery %	81.83	81.83
17	Farm Sector		
	Demand	1906726	1906726
	Recovery	1451183	1451183
	Overdues	455543	455543
	Recovery%	76.11	76.11
18	Non-Farm Sector		
	Demand	3103573	3103573
	Recovery	2648862	2648862
	Overdues	454711	454711
	Recovery%	85.35	85.35
VI	**ASSET CLASSIFICATION**		
19	Standard Asset	10326663	11605736
	Sub-Standard	318469	360568
	Doubtful	393611	425419
	Loss Assets	21721	36068
	Total	**11060464**	**12427791**
20	Standard Asset as% to Gross Loans/O/S Advances	93.37	93.39
	Gross NPAs%	6.63	6.61
	Net NPAs%	4.42	4.58
VII	**PROFITABILITY ANALYSIS**		
21	Interest Paid		
	On Deposits	724010	1280840

*प्रायोजक/अन्य स्टाफ सहित

	On Borrowing	42365	81244
22	Salary	228040	394342
23	Other Operating Expenses	109271	241340
24	Provisions made during the Year		
	Against NPAs	21599	20386
	Other Provision	-	-
25	Interest earned		
	On Loans & Advances	679677	1187192
	On C/As & TDRs with Sp. Bank/Other Banks	355042	633588
	On SLR Investments	193651	343640
	On Non-SLR Investments	17489	33130
26	Misc. Income	29879	79471
27	Profit/Loss		
	Profit before Tax	150380	108419
	Profit after Tax	105385	77065
VIII	**OTHER INFORMATION**		
28	Share Capital Deposit Received	381486	381486
29	D.I.C.G.C.	-	-
	Claims Settled Cumulative	-	-
	Claims received but Pending for adjustment	-	-
30	Cumulative Provision	-	-
	Against NPAs	256518	251247
	Against other intengible assets	9765	9765
31	Derecognised income		
	During the year	9486	8826
	Cumulative	18016	13445
32	Loans written off during the year		
	No. of A/cs	14	27
	Amount (excluding notional intt.)	427	608
33	Accumulated Losses	-	-
34	Reserves	1261705	1333980

BOARD OF DIRECTOR'S REPORT FOR THE YEAR 2012-13

The Board of Directors of Uttarakhand Gramin Bank have immense pleasure in presenting the 1st Annual Report (2012-2013), audited Balance Sheet as on 31.03.2013 and Profit & Loss Account of Uttarakhand Gramin Bank, for the period 02.11.12 to 31.03.2013.

1. BRIEF INTRODUCTION :

Uttarakhand Gramin Bank sponsored by State Bank of India came into operation with effect from Novemeber 1st 2012 vide Gazette Notification issued by Govt. of India, under sub section (i) of (23A) RRBs Act 1976 (21 of 1976), after amalgamation of two erstwhile Regional Rural Banks viz. Uttaranchal Gramin Bank sponsored by State Bank of India and Nainital Almora Khetriya Gramin Bank sponsored by Bank of Baroda. Accordingly, Bank's area of operation is extended in whole Uttarakhand state in the districts of Dehradun, Tehri, Uttarakashi, Haridwar, Pauri, Chamoli, Rudraprayag of Garhwal Division and district Pithoragarh, Champawat, Nainital, Almora, Bageshwar and Udham Singh Nagar of Kumaun Division in Uttarakhand.

The Head Office of the Bank is situated at Dehradun, which is the provisional Capital city of the State of Uttarakhand. The major area of operation which is extended in remote areas of the state is thinly populated and is famous for different religions places and enchanting locations. Despite abundance of water resources, this area has negligible irrigation facilities and farmers are forced to use conventional methods of farming. Basmati rise, wheat, Soyabeen, groundnut, coarse grain, Pulses and oil seeds are most widely grown crops. Other industrial include tourism and hydro power.

2. ORGANISATIONAL STRUCTURE :

Organisational structure of the Bank is divided into 3 administrative stratas. Branches under the supervision of Branch Managers are the root units functioning under the Regional Offices, supervised by the Regional Managers. Apex administrative control of these two is enshrined in the Head Office. Presently, there are 4 Regional Offices viz. Regional Office-I Dehradun, Regional Office-II Pauri , Regional Office-III Pithoragarh and Regional Office-IV , Haldwani under which 67, 60, 35 and 75 branches are functioning respectively with 11 satellite offices and 02 extention counters.

BRANCH NETWORK :

The area of operation of the Bank is spread with a network of 237 branches covering all 13 districts of Uttarakhand. As a stratagy for on going growth of business, the bank extended its network by opening 14 new branches (08 New branches after amalgamation) in the year 2012-13 to enlarge its clientele base in the area of operation.

The Bank is providing services to its customers through its extended network of 4 Regional offices, 237 branches, 11 satellite offices and 2 extension counters. The district-wise panorama of its branch network is as under:-

Sl. No.	District	Regional Office	Urban	Semi-Urban	Rural Branches	Setellite Offices	Extn. Counter
1	Dehradun	I	06	06	20	01	-
2	Tehri	I	-	01	19	03	-
3	Uttarakashi	I	-	01	05	-	-
4	Haridwar	I	02	05	02	-	-
5	Pauri	II	-	04	35	04	-
6	Chamoli	II	-	02	11	02	-
7	Rudraparyag	II	-	-	08	01	-
8	Pithoragarh	III	-	03	25	-	-